

# कान्ह-सरस्वती शुद्धिकरण प्रोजेक्ट • पहले दो डीपीआर बन चुकी, लेकिन काम कुछ भी शुरू नहीं हो सका IIT में बनेगा शिप्रा शुद्धिकरण सेल, अब जनसंख्या की डिमांड व सीपीएचईईओ की गाइडलाइन से तय होगी फाइनल डीपीआर

भास्कर संवाददाता | इंदौर

कान्ह-सरस्वती शुद्धिकरण को लेकर लगातार चल रही कवायद के बीच अब आईआईटी इंदौर इसमें एक्सपर्ट की भूमिका निभाएगा। अब तक दो डीपीआर (डिटेल् प्रोजेक्ट रिपोर्ट) कान्ह-सरस्वती शुद्धिकरण के लिए बन चुकी है, लेकिन काम शुरू नहीं हुआ है। अब प्रशासन ने बतौर एक्सपर्ट आईआईटी की मदद ली है। एक बैठक प्रशासन और आईआईटी के बीच हो चुकी है, लेकिन दोनों पुरानी डीपीआर पर काम तभी होगा, जब आईआईटी इंदौर उसका विश्लेषण करेगा। इसके बाद तीसरी डीपीआर बनेगी। आईआईटी इंदौर में इसके लिए शिप्रा शुद्धिकरण सेल भी अलग से बनाई जा रही है।

कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि आईआईटी से

बात हो चुकी है। वहां अलग से एक शिप्रा शुद्धिकरण सेल बन रही है। इसमें वहां के एक्सपर्ट जनसंख्या की डिमांड, आकलन, केंद्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण इंजीनियरिंग संगठन (सीपीएचईईओ) की गाइडलाइन के हिसाब से अब नई प्लानिंग कर रहे हैं। दरअसल, अब तक जो काम हुआ, वह बिना जनसंख्या और बढ़ने वाले लोड को देखते हुए किया गया है। यही कारण है कि जो एसटीपी बनाए, जो लाइनें डाली हैं, वे सीवेज का लोड सहन नहीं कर सकी। पहली डीपीआर नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत बना, जिसमें 550 करोड़ के काम प्रस्तावित हैं। दूसरी डीपीआर अमृत-2 प्रोजेक्ट के तहत बनी। इसमें भी करोड़ों का प्रावधान कान्ह-सरस्वती और शिप्रा शुद्धिकरण के लिए बताया गया। कलेक्टर ने माना कि इन दोनों डीपीआर का विश्लेषण कर तीसरी डीपीआर बनवा रहे हैं।

## कबीटखेड़ी का एसटीपी काम का नहीं, चिड़ियाघर के पास बने एसटीपी में तकनीकी दिक्कत

कलेक्टर ने माना कि कबीटखेड़ी का बड़ा ट्रीटमेंट प्लांट किसी काम का नहीं है। अब नया और बड़ा एसटीपी बनाने की जरूरत है। नमामि गंगे प्रोजेक्ट में ऐसे 2 एसटीपी बनेंगे। 12 छोटे एसटीपी भी बनाना होंगे। दरअसल नदियों में शुद्ध पानी जाए और सीवेज का पानी न मिले, इसके लिए एसटीपी और सीवेज लाइन बदलने का ही विकल्प है। चिड़ियाघर के पास बने एसटीपी में भी टेक्निकल समस्या है। नाला टैपिंग में जहां-जहां गड़बड़ है, उसे सुधारना भी अहम है, लेकिन काम आसान नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक कुल 150 से ज्यादा आउट फॉल हैं, जिनसे सीवेज नदियों में मिल रहा है। 100 ऐसे हैं, जो ठीक हो सकते हैं। दो महीने में फाइनल रिपोर्ट बन जाएगी। हालांकि प्रारंभिक कामों के लिए मंगलवार को अहम बैठक होगी, जिसमें नगर निगम सहित अन्य विभागों को बुलाया गया है। इसमें भी प्राकृतिक जल संसाधनों के संरक्षण पर बात होगी।